



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 711]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 11, 2005/आषाढ़ 20, 1927

No. 711]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 11, 2005/ASADHA 20, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2005

आय-कर

का.आ. 979(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 285खक के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (इक्कीसवां संशोधन) नियम, 2005 है।
- (2) ये 1 दिसम्बर, 2004 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(क) नियम 114ड. के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ वार्षिक सूचना विवरणी का दिया जाना ।

114ड. (1) धारा 285 खक की उपधारा (1) के अधीन दिए जाने के लिए अपेक्षित वार्षिक सूचना विवरणी प्ररूप सं. 61क में दी जाएगी और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी ।

(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट विवरणी नीचे की सारणी के स्तंभ (2) में उल्लिखित प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उक्त सारणी के स्तंभ (3) में दी गई तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट प्रकृति और मूल्य के सभी संव्यवहारों के संबंध में दी जाएगी, जो 1 अप्रैल, 2004 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले किसी वित्तीय वर्ष के दौरान उसके द्वारा रजिस्ट्रीकृत या उल्लिखित किए गए हों :-

सारणी

क्रम सं. (1)	व्यक्तियों के वर्ग (2)	संव्यवहारों की प्रकृति और मूल्य (3)
1	कोई बैंककारी कंपनी जिसपर बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) लागू होता है (जिसमें उस अधिनियम की धारा 51 में निर्दिष्ट कोई बैंक या बैंककारी संस्था भी सम्मिलित है।)	उस बैंक में किसी व्यक्ति के द्वारा रखे जाने वाले किसी बचत खाते में एक वर्ष में कुल मिलाकर दस लाख या उससे अधिक नकद जमा किया गया हो।
2	कोई बैंककारी कंपनी जिसपर बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) लागू होता है (जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 51 में निर्दिष्ट कोई बैंक या बैंककारी संस्था भी सम्मिलित है) या कोई अन्य कंपनी या संस्था जो क्रेडिट कार्ड जारी करती है।	उस व्यक्ति को जारी किसी क्रेडिट कार्ड की बाबत दिए गए बिल में किसी व्यक्ति द्वारा किए गए संदाय, वर्ष में कुल मिलाकर दो लाख रुपए या उससे अधिक।
3.	यथास्थिति किसी पारस्परिक निधि का न्यासी या ऐसा अन्य व्यक्ति जो इस निमित्त न्यासी द्वारा सम्यक् रूप में पारस्परिक निधि के कार्यों का प्रबंध करने के लिए प्राधिकृत हो।	किसी व्यक्ति से उस निधि की यूनिटों के अर्जन के लिए दो लाख रुपए या उससे अधिक की रकम की प्राप्ति।
4.	बंध पत्र या डिबेंचर जारी करने वाली कोई कंपनी या संस्था।	किसी व्यक्ति से किसी कंपनी या संस्था द्वारा जारी बंध पत्र या डिबेंचर के अर्जन के लिए पांच लाख रुपए या अधिक की रकम की प्राप्ति।
5.	सार्वजनिक या अधिकार निर्गम के माध्यम से शेयर जारी करने वाली कोई कंपनी	कंपनी द्वारा जारी शेयरों के अर्जन के लिए एक लाख रुपए या उससे अधिक की रकम की किसी व्यक्ति से प्राप्ति।

6.	रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 6 के अधीन नियुक्त रजिस्ट्रार या सब रजिस्ट्रार ।	किसी व्यक्ति द्वारा स्थावर संपत्ति जिसका मूल्य तीस लाख रुपए या उससे अधिक है, का क्रय या विक्रय ।
7.	भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय रिजर्व बैंक के किसी अधिकारी के रूप में कोई व्यक्ति जो इस निमित्त भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किया गया हो ।	किसी व्यक्ति से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक वर्ष के लिए जारी बंध पत्र जिनकी कुल मिलाकर रकम पांच लाख रुपए या उससे अधिक है रकम की प्राप्ति ।

(3) उपनियम (1) में निर्दिष्ट विवरणी आय-कर आयुक्त (केन्द्रीय सूचना शाखा) को भेजी जाएगी :

परंतु जहां बोर्ड ने किसी अभिकरण को आयकर आयुक्त (केन्द्रीय सूचना शाखा) की ओर से ऐसी विवरणी को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किया है, वहां ऐसी विवरणी उस अभिकरण को भेजी जाएगी ।

(4)(क) उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्ररूप सं० 61क के भाग क और भाग ख को में समाविष्ट करने वाली विवरणी, कम्प्यूटर में पढ़े जाने योग्य माध्यमों, जो कोई फ्लोपी (3.5 इंच और 1.44 एमबी धारिता) या सी डी रोम (650 एमबी या उच्चतर धारिता) या डिजिटल वीडियो डिस्क (डीवीडी) के रूप में हो सकेगी पर उसके भाग -क के साथ, कागज पर दी जाएगी।

परंतु यह है कि विवरणी दिए जाने के लिए उत्तरदायी कोई व्यक्ति अपने विकल्प पर उपनियम (6) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति के अंकीय हस्ताक्षर के अधीन इस प्रयोजन के लिए उपनियम (7) में निर्दिष्ट “वार्षिक सूचना विवरणी-प्रशासक” द्वारा अभिहित किसी सरवर को इलैक्ट्रॉनिक डाटा के आन-लाइन पारेषण के माध्यम से विवरणी दे सकेगा :

परंतु यह और कि विवरणी इस संबंध में उपनियम (7) में निर्दिष्ट “वार्षिक सूचना विवरणी-प्रशासक” द्वारा विनिर्दिष्ट आंकड़ा संरचना के अनुसार तैयार की जाएगी ;

(ख) विवरणी देने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति यह सुनिश्चित करेगा कि--

(i) यदि विवरणी या कथन से संबंधित डाटा की प्रतियों में उपयोग किए गए डाटा के संक्षिप्तिकरण या प्रयोग किए गए साफ्टवेयर के बैकअप में है तो तत्संबंधी साफ्टवेयर की उपयोगिता या उसके विसंक्षिप्तिकरण करने या पुनर्स्थापन के लिए प्रक्रिया विवरणी या कथनों के कम्प्यूटर माध्यम के साथ दी जाएगी ;

(ii) विवरणी के साथ इस संबंध में एक प्रमाण पत्र होगा कि यह डाटा साफ और वायरस से मुक्त है ।

स्पष्टीकरण:- इस उपनियम के प्रयोजन के लिए “अंकीय हस्ताक्षर” से प्रमाणन प्राधिकारियों के नियंत्रक द्वारा ऐसे प्रमाण-पत्रों को जारी करने के लिए प्राधिकृत किसी प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए अंकीय हस्ताक्षर अभिप्रेत है ;

(5) उपनियम (1) में निर्दिष्ट विवरणी उस वित्तीय वर्ष, जिसमें वह संव्यवहार रजिस्ट्रीकृत या अभिलिखित किया गया है, के ठीक पश्चात् 31 अगस्त को या उससे पूर्व दी जाएगी ।

(6) उपनियम (1) में निर्दिष्ट विवरणी,-

(क) उस मामले में जहां विवरणी देने वाला व्यक्ति अधिनियम की धारा 2 के खंड (7) में यथा परिभाषित कोई निर्धारित है, वहां अधिनियम की धारा 140 में विनिर्दिष्ट किसी व्यक्ति ;

(ख) किसी अन्य मामले में, उपनियम (2) के नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2) में निर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी ।

(7) बोर्ड, वार्षिक सूचना विवरणी को, जिसके अंतर्गत डाटा के संरक्षित प्रग्रहण और पारेषण, समुचित सुरक्षा, अभिलेखीय और पुनः प्राप्ति नीतियों के विकास और कार्यान्वयन के सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं, डाटा संरचना, प्ररूपों और मानकों के विनिर्देश भी हैं, प्रस्तुत करने के दिन-प्रतिदिन के प्रशासन के प्रयोजनों के लिए वार्षिक सूचना विवरणी-प्रशासक के रूप में अभिहित ऐसा अधिकारी नियुक्त कर सकेगा, जो आय-कर आयुक्त से निम्न पंक्ति का नहीं होगा ;

(ख) परिशिष्ट 2 में,—

(i) आयकर (17 वां संशोधन नियमावली), 2004 के तहत अंतःस्थापित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 285 ख क के अंतर्गत वार्षिक सूचना विवरणी से संबंधित प्ररूप सं. 65 का लोप किया जाएगा ।

(ii) प्ररूप 61 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“प्रारूप सं. 61क
(नियम 114ड देखें)
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 285ख क के अधीन वार्षिक सूचना विवरणी
(भाग-क)

कृपया अनुदेशों को देखें और सुसंगत स्तंभों को भरें

1. व्यक्ति का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) (कृपया दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें)	
2. व्यक्ति का स्थायी लेखा संख्यांक (पैन) (अनुदेश देखें)	
3. व्यक्ति का फोलियों संख्यांक (अनुदेश देखें)	
4. पता (स्पष्ट अक्षरों में) (कृपया दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें)	
4.1 फ्लैट सं०.....	4.2 मकान/परिसर सं०.....
सड़क/गली.....	4.3 तल सं०.....
पिनकोड.....	4.4 भवन का नाम.....
5. प्रास्थिति..... (व्यष्टि-आई, कंपनी-सी, फर्म-एफ, एचयूएफ-एच, सरकारी कार्यालय-जी, बैंक-बी, अन्य ओ)	4.5 ब्लॉक/सेक्टर.....
6. वित्तीय वर्ष (वह संव्यवहार जिसके संबंध में रिपोर्ट किया गया है).....	4.6 ब्लॉक/सेक्टर के प्रतिनिर्देश).....
7. अधिकांशिता वाले आय-कर आयुक्त का पता (केन्द्रीय सूचना शाखा).....	
8. वार्षिक सूचना विवरणी (भाग ख) में रिपोर्ट किए गए संव्यवहारों की कुल संख्या.....	
9. वार्षिक सूचना विवरणी (भाग ख) में रिपोर्ट किए गए सभी संव्यवहारों का कुल मूल्य रु०	
10. वार्षिक सूचना विवरणी का माध्यम (जो लागू न हो उसे काट दें)-सीडी/फ्लोपी/डीवीडी/ ऑन- लाइन	

सत्यापन

मैं..... (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), पुत्र/पुत्री..... सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस विवरणी के भाग क और भाग ख में दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से सही और पूर्ण है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मैं इस विवरणी को अपनी..... की हैसियत के रूप में दे रहा हूँ/रही हूँ और मैं इस विवरणी को देने में सक्षम भी हूँ और इसे सत्यापित करता हूँ/करती हूँ। मैं यह और प्रमाणित करता हूँ/करती हूँ कि फ्लोपी/ सीडी-रोम/ डिजिटल वीडियो डिस्क/ आनलाइन डाटा जिसके माध्यम से भाग-ख प्रस्तुत किया गया है, स्वच्छ और वायरस मुक्त है।

2074 GFI/05-2

तारीख.....

हस्ताक्षर.....

स्थान.....

नाम.....

(कार्यालय के प्रयोग के लिए)

पावती सं.

:

तारीख

:

वार्षिक सूचना विवरणी प्राप्त करने वाले व्यक्ति का
नाम तथा हस्ताक्षर (मुहर सहित)

:

:

(भाग -ख)

1. व्यक्ति का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)
(कृपया दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें)
2. व्यक्ति का स्थायी लेखा संख्यांक (पैन) (अनुदेश देखें)
3. व्यक्ति का फोलियो संख्यांक (अनुदेश देखें)
4. पता (स्पष्ट अक्षरों में) (कृपया दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें)
 - 4.1 प्लॉट सं०.....4.2 मकान/परिसर सं०.....4.3 तल सं०.....4.4 भवन का नाम.....4.5 ब्लॉक/सेक्टर.....4.6 सड़क/गली.....4.7 अवस्थान/कालोनी.....4.8 नगर.....4.9 राज्य कोड (अनुदेशों में राज्य कोड के प्रतिनिर्देश).....4.10 पिनकोड.....
5. प्रास्थिति.....(व्यष्टि-आई, कंपनी-सी, फर्म-एफ, हिन्दू अविभक्त कुटुंब-एच, सरकारी कार्यालय-जी, बैंक-बी, अन्य ओ)
6. वित्तीय वर्ष (वह संव्यवहार जिसके संबंध में रिपोर्ट किया गया है).....
7. वार्षिक सूचना विरिणी (भाग ख) में रिपोर्ट किए गए संव्यवहारों की कुल संख्या.....
8. वार्षिक सूचना विवरणी में रिपोर्ट किए गए सभी संव्यवहारों का कुल मूल्य (रुपयों में).....
9. संव्यवहारों के ब्यौरे

क्र.सं.	संव्यवहार की तारीख (ता.- मा.-व.-)	संव्यवहार करने वाले पक्षकार का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) 1. प्रथम नाम 2. मध्य नाम 3. उपनाम (व्यष्टि न होने की दशा में, पूरा नाम लिखा जाए कृपया दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें।)	संव्यवहार करने वाले पक्षकार का स्थायी खाता संख्यांक (अनुदेश सं. 5 के प्रतिनिर्देश)	पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) (दो शब्दों के बीच एक खाना रिक्त छोड़ें) 1. प्लॉट सं०; 2. मकान/परिसर सं०; 3. तल सं०; 4. भवन का नाम; 5. ब्लॉक/सेक्टर; 6. सड़क/गली; 7. पश्चिमे/कालोनी ; 8. शहर ; 9. जिला ; 10. राज्य कोड ; 11. पिन (अनुदेशों में राज्य बोर्ड के प्रतिनिर्देश)	संव्यवहार का ढंग (नकद-सी, बैंक-व्यू, कार्ड-आफ, मांग देय पत्र-डी, अन्य-ओ)	रकम रुपयों में (निकटतम रुपए में पूर्णांकित)	संव्यवहार कोड	व्यक्ति (वार्षिक सूचना विवरणी दिए जाने के लिए उत्तरदायी) के कार्यालय/शाखा का पता, जहां संव्यवहार हुआ

वार्षिक सूचना विवरणी फाइल करने के लिए अनुदेश

1. (i) यह विवरणी (भाग-क और भाग-ख) एक फ्लॉपी (3.5 इंच और 1.44 एमबी) या सीडी-रोम (650 एमबी या उच्चतर धारिता) या डिजीटल वीडियो डिस्क में कम्प्यूटर पठनीय मीडिया पर उसके भाग-क के साथ कागज पर दी जाएगी ।
- (ii) यदि विवरणी संपीड़ित फारमेट में फाइल की जाती है तो उसे विनजिप 8.1 या जिप्लेटफास्ट 3.0 संपीड़न उपयोगिता का उपयोग करते हुए संपीड़ित किया जाना चाहिए ।
- (iii) विवरणी को सीडी/फ्लोपी/डीवीडी में फाइल किया जाना चाहिए और बहु फॉलापियों/ सीडियों/ डीवीडीयों में नहीं बढ़ाया जाना चाहिए ।
2. कृपया प्रा., लि., इत्यादि जैसे किसी संक्षेपाक्षर का उपयोग न करें ।
3. पैन को मद संख्या 2 (भाग-क) और मद सं. 2 (भाग-ख) में निम्नलिखित द्वारा दिया जाना अपेक्षित नहीं है-
 - (i) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 6 के अधीन नियुक्त कोई रजिस्ट्रार या सब रजिस्ट्रार ;
 - (ii) कोई व्यक्ति, जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय रिजर्व बैंक का कोई अधिकारी है, जिसे बंध पत्र को जारी करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत किया गया है ;
4. पहली बार के वार्षिक सूचना विवरणी फाइल करने के पश्चात् एक रैंडम कम्प्यूटर जनित्र संख्यांक (फोलियों संख्यांक) आवंटित की जाएगी । इस संख्यांक को पश्चात्वर्ती वर्षों के लिए विवरणी के मद सं. 3 (भाग-क) और मद सं. 3 (भाग-ख) में उद्धृत किया जाएगा ।
5. जहां संव्यवहार करने वाले पक्षकार के पास स्थायी खाता संख्यांक नहीं है कृपया यथास्थिति 60 (यदि नियम 114ख के अधीन प्ररूप सं. 60 प्राप्त किया जाता है) या 61 (यदि नियम 114ग के अधीन प्ररूप सं. 61 प्राप्त किया जाता है) या अ.नि. (अनिवासी के लिए) या जी (केन्द्रीय या राज्य सरकारी विभाग या कौंसलीए कार्यालय के लिए) उल्लिखित करें ।

6. राज्य कोड

कोड	राज्य के नाम	कोड	राज्य का नाम
01	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	19.	महाराष्ट्र
02	आंध्र प्रदेश	20.	मणिपुर
03	अरुणाचल प्रदेश	21.	मेघालय
04	असम	22.	मिजोरम
05	बिहार	23.	नागालैंड
06	चंडीगढ़	24.	उड़ीसा
07	दादरा और नागर हवेली	25.	पांडिचेरी
08	दमण और दीव	26.	पंजाब
09	दिल्ली	27.	राजस्थान
10	गोवा	28.	सिक्किम
11	गुजरात	29.	तमिलनाडु
12	हरियाणा	30.	त्रिपुरा
13	हिमाचल प्रदेश	31.	उत्तर प्रदेश
14	जम्मू-कश्मीर	32.	पश्चिमी बंगाल
15	कर्नाटक	33.	छत्तीसगढ़
16	केरल	34.	उत्तरांचल
17	लक्षदीप	35.	झारखंड
18	मध्यप्रदेश		

20746M05-3

7. रिपोर्ट किए जाने वाले संव्यवहारों की बाबत कोड

क्रम सं.	संव्यवहार	संव्यवहार कोड
1.	किसी बैंककारी कंपनी में रखे गए किसी व्यक्ति के किसी बचत खाते में एक वर्ष में कुल मिलाकर दस लाख रुपए या अधिक के नकद जमा जिसे बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) लागू होता है (जिसमें अधिनियम की धारा 51 में निर्दिष्ट कोई बैंक या बैंककारी संस्था सम्मिलित है।)	001
2.	क्रेडिट कार्ड की बाबत लिए गए बिल के विरुद्ध किसी व्यक्ति द्वारा किया गया संदाय जो कुल मिलाकर एक वर्ष में दो लाख रुपए या अधिक का हो ।	002
3.	किसी व्यक्ति से पारस्परिक निधि की यूनिटों के क्रय के लिए दो लाख रुपए या अधिक की रकम की प्राप्ति	003
4.	किसी व्यक्ति से किसी कंपनी या संस्था द्वारा जारी बंध पत्रों या डिबेंचरों की अर्जन के लिए पांच लाख रुपए या अधिक की रकम की प्राप्ति	004
5.	किसी व्यक्ति से कंपनी द्वारा जारी शेयर अर्जित करने के लिए एक लाख रु. या अधिक रकम की प्राप्ति	005
6.	किसी व्यक्ति द्वारा तीस लाख रुपए या अधिक की स्थावर सम्पत्ति का क्रय	006
7.	किसी व्यक्ति द्वारा तीस लाख रुपए या अधिक की स्थावर सम्पत्ति का विक्रय	007

8.	किसी व्यक्ति से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी बंध पत्रों में विनिधान के लिए एक वर्ष में पांच लाख रुपए या अधिक की रकम की प्राप्ति।”।	008
----	--	-----

[अधिसूचना सं. 182/2005/फ़. सं. 142/44/2003-टीपीएल]

पूजा जिंदल, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969 तारीख 26 मार्च, 1962 के अधीन प्रकाशित किए गए थे जो समय-समय पर संशोधित किए गए हैं और ऐसा अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. का.आ. 932(अ), तारीख 1-7-2005 द्वारा किया गया था।

स्पष्टीकारक ज्ञापन

प्रस्तावित संशोधन को, उस तारीख अर्थात् 1 दिसंबर, 2004 से, जिससे नियम 114ड और प्ररूप 65 राजपत्र में का0आ0 सं0 1316(अ) द्वारा प्रकाशित किए गए थे, भूतलक्षी प्रभाव देने का विनिश्चय किया गया है। यह प्रमाणित किया जाता है कि इससे किसी निर्धारिती के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th July, 2005

INCOME-TAX

S.O. 979(E).— In exercise of the powers conferred by section 295 read with section 285BA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (21st Amendment) Rules, 2005.
- (2) They shall be deemed to have come into force from the 1st day of December, 2004.
2. In the Income-tax Rules, 1962,-
 - (a) for rule 114E, the following shall be substituted, namely:-

‘Furnishing of Annual Information Return.

114E. (1) The annual information return required to be furnished under sub-section (1) of section 285BA shall be furnished in Form No. 61A and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) The return referred to in sub-rule (1) shall be furnished by every person mentioned in column (2) of the Table below in respect of all transactions of the nature and value specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, which are registered or recorded by him during a financial year beginning on or after the 1st day of April, 2004:-

TABLE

Sl.No. (1)	Class of person (2)	Nature and value of transaction (3)
1	A Banking company to which the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), applies (including any bank or banking institution referred to in section 51 of that Act).	Cash deposits aggregating to ten lakh rupees or more in a year in any savings account of a person maintained in that bank.
2	A banking company to which the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), applies (including any bank or banking institution referred to in section 51 of that Act) or any other company or institution issuing credit card.	Payments made by any person against bills raised in respect of a credit card issued to that person, aggregating to two lakh rupees or more in the year.
3	A trustee of a Mutual Fund or such other person managing the affairs of the Mutual Fund as may be duly authorised by the trustee in this behalf.	Receipt from any person of an amount of two lakh rupees or more for acquiring units of that Fund.
4	A company or institution issuing bonds or debentures.	Receipt from any person of an amount of five lakh rupees or more for acquiring bonds or debentures issued by the company or institution.

(1)	(2)	(3)
5	A company issuing shares through a public or rights issue.	Receipt from any person of an amount of one lakh rupees or more for acquiring shares issued by the company.
6	Registrar or Sub-Registrar appointed under section 6 of the Registration Act, 1908.	Purchase or sale by any person of immovable property valued at thirty lakh rupees or more.
7	A person being an officer of the Reserve Bank of India, constituted under section 3 of the Reserve Bank of India Act, 1934, who is duly authorized by the Reserve Bank of India in this behalf.	Receipt from any person of an amount or amounts aggregating to five lakh rupees or more in a year for bonds issued by the Reserve Bank of India.

(3) The return referred to in sub-rule (1) shall be furnished to the Commissioner of Income-tax (Central Information Branch):

Provided that where the Board has authorised an agency to receive such return on behalf of the Commissioner of Income-tax (Central Information Branch), the return shall be furnished to that agency.

(4)(a) The return comprising Part A and Part B of Form No. 61A referred to in sub-rule (1) shall be furnished on computer readable media being a floppy (3.5 inch and 1.44 MB capacity) or CD-ROM (650 MB or higher capacity) or Digital Video Disc (DVD), along with Part-A thereof on paper:

Provided that a person responsible for furnishing the return, may, at his option, furnish the return through online transmission of electronic data to a server designated by the "Annual Information Return – Administrator" referred to in sub-rule (7) for this purpose under the digital signature of the person specified in sub-rule 6:

2074GI/05-68

Provided further that the return shall be prepared in accordance with the data structure specified by the “Annual Information Return – Administrator” referred to in sub-rule (7) in this regard;

(b) The person responsible for furnishing the return shall ensure that –

- (i) if the data relating to the return or statement is copied using data compression or backup software utility, the corresponding software utility or procedure for its decompression or restoration shall also be furnished along with the computer media return or statement;
- (ii) the return is accompanied with a certificate regarding clean and virus free data.

Explanation. – For the purposes of this sub-rule, “digital signature” means a digital signature issued by any Certifying Authority authorised to issue such certificates by the Controller of Certifying Authorities.

(5) The return referred to in sub-rule (1) shall be furnished on or before 31st August, immediately following the financial year in which the transaction is registered or recorded.

(6) The return referred to in sub-rule (1) shall be signed and verified by -

- (a) in a case where the person furnishing the return is an assessee as defined in clause (7) of section 2 of the Act, by a person specified in section 140 of the Act ;
- (b) in any other case, by the person referred to in column (2) of the Table below sub-rule (2).

(7) The Board may appoint an officer designated as Annual Information Return – Administrator, not below the rank of the Commissioner of Income-tax for the purposes of day to day administration of furnishing of the Annual Information Return including specification of the procedures, data structure, formats and standards for ensuring secure capture and transmission of data, evolving and implementing appropriate security, archival and retrieval policies.;

(b) in Appendix-II,

- (i) Form No. 65 relating to Annual Information Return under section 285BA of the Income-tax Act, 1961, inserted vide the Income-tax (17th Amendment Rules), 2004 shall be omitted;
- (ii) after Form No. 61, the following Form shall be inserted, namely:-

"FORM No. 61A

[See rule 114E]

Annual Information Return under section 285BA of the Income-tax Act, 1961

(PART - A)

■ Please see the instructions and fill up relevant columns

1. Name of the person (in block letters) (Please leave one blank box between two words.)																				
2. Permanent Account Number (PAN) of the person (see instructions)																				
3. Folio Number of the person (see instructions)																				
4. Address (in block letters) (Please leave one blank box between two words.)																				
4.1 Flat No.	4.2 House/Premises No.		4.3 Floor No.		4.4 Building Name										4.5 Block/Sector					
4.6 Road Street	4.7 Locality/Colony										4.9 State Code (Refer to State Code in instructions)					4.10 Pin Code				
4.8 City																				
5. Status <input type="checkbox"/> (individual-I, Company -C, Firm -F, Hindu undivided family-H, Government Office-G, Banks-B, Others-O)																				
6. Financial Year (transactions relating to which are reported)																				
7. Address of Jurisdictional Commissioner of Income-tax (Central Information Branch)																				
8. Total number of transactions reported in Annual Information Return (Part B)																				
9. Total value of all transactions reported in Annual Information Return (Part B) Rs.																				
10. Medium of Annual Information Return (Please strike off inapplicable) - CD/ Floppy/ DVD/ ONLINE																				

Verification

I, (full name in block letters), son/daughter of solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, the information given in Part A and Part B of this return is correct and complete. I further declare that I am making this return in my capacity as and I am also competent to make this return and verify it. I further certify that the floppy/ CD-ROM/ Digital Video Disk/ online data through which Part-B is submitted is clean and virus free.

Date

Place

Signature.....

Name

(For Office Use)

Receipt No.	:	
Date	:	
Name & Signature of person receiving Annual Information Return (with Stamp)	:	

2074 GJ 65-5

(PART - B)

1. Name of the person (in block letters)
(Please leave one blank box between two words.)
2. Permanent Account Number (PAN) of the person (see instructions)
3. Folio Number of the person (see instructions)
4. Address (in block letters) (Please leave one blank box between two words.)
 - 4.1 Flat No.
 - 4.2 House/Premises No.
 - 4.3 Floor No.
 - 4.4 Building Name
 - 4.5 Block/Sector
 - 4.6 Road Street
 - 4.7 Locality/Colony
 - 4.8 City
 - 4.9 State Code (Refer to State Code in instructions)
 - 4.10 Pin Code
5. Status
☐ (Individual -I, Company -C, Firm -F, Hindu undivided family-H, Government Office -G, Banks -B, Others -O)
6. Financial Year (transactions relating to which are reported)
7. Total number of transactions reported in Annual Information Return
8. Total value of all transactions reported in Annual Information Return (in Rupees).
9. Details of transactions:

Sl.No.	Date of Transaction (DD-MM-YY)	Name of Transacting Party (in block letters) 1. First Name 2. Middle Name 3. Surname (In case of non-individuals, full name be written. Leave one blank box between two words.)	PAN of Transacting Party (Refer to Instruction No. 5)	Full Address (in block letters. Leave one blank box between two words) 1. Flat No.; 2. House/Premises No.; 3. Floor No.; 4. Building Name; 5. Block/Sector; 6. Road/Street; 7. Locality/colony; 8. City; 9. District 10. State Code; 11. Pin (Refer to State Code in Instructions)	Mode of transaction (Cash-C, Cheque-Q, Card-R, Demand Draft - D, Others - O)	Amount in Rs. (Rounded off to nearest Rupee)	Transaction Code	Address of Office/Branch of person (responsible for furnishing the Annual Information Return) where transaction took place
	1. 2. 3.	1. 2. 3.	1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11.	1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11.				

INSTRUCTIONS FOR FILING ANNUAL INFORMATION RETURN

1. (i) This return (Part A and Part B) be furnished on computer-readable media being a floppy (3.5 inch and 1.44 MB) or CD-ROM (650 MB or higher capacity) or Digital Video Disc, along with Part-A thereof on paper.
(ii) In case the return filed is in a compressed format, it should be compressed using winzip 8.1 or ZipltFast 3.0 compression utility only.
(iii) The return be filed in one CD/floppy/DVD and should not span across multiple floppies/CDs/DVDs.
2. Please do not use any abbreviation like Pvt., Ltd., etc.
3. PAN is not required to be given in item No. 2 (Part A) and item No. 2 (Part B) by –
(i) Registrar or Sub-Registrar appointed under section 6 of the Registration Act, 1908;
(ii) a person being an officer of the Reserve Bank of India, constituted under section 3 of the Reserve Bank of India Act, 1934, who is authorised by the Reserve Bank of India for issue of bonds;
4. A Random Computer Generated Number (Folio Number) shall be allotted after filing of Annual Information Return for the first time. This number shall be quoted in item No. 3 Part A and item No. 3 (Part B) of the return for subsequent years.
5. Where the transacting party does not have PAN please mention 60 (in case Form No. 60 under rule 114B is received) or 61 (in case Form No. 61 under rule 114C is received) or NR (for Non-Resident) or G (for Central or State Government department or consular office) as the case may be.

6. State Code

Codes	Names of the State	Codes	Name of the State
01.	ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS	19.	MAHARASHTRA
02.	ANDHRA PRADESH	20.	MANIPUR
03.	ARUNACHAL PRADESH	21.	MEGHALAYA
04.	ASSAM	22.	MIZORAM
05.	BIHAR	23.	NAGALAND
06.	CHANDIGARH	24.	ORISSA
07.	DADRA AND NAGAR HAVELI	25.	PONDICHERY
08.	DAMAN AND DIU	26.	PUNJAB
09.	DELHI	27.	RAJASTHAN
10.	GOA	28.	SIKKIM
11.	GUJARAT	29.	TAMILNADU
12.	HARYANA	30.	TRIPURA
13.	HIMACHAL PRADESH	31.	UTTAR PRADESH
14.	JAMMU AND KASHMIR	32.	WEST BENGAL
15.	KARNATAKA	33.	CHHATISHGARH
16.	KERALA	34.	UTTARANCHAL
17.	LAKSHWADEEP	35.	JHARKHAND
18.	MADHYA PRADESH		

7. Codes in respect of transactions to be reported

Sl. No.	Transaction	Transaction Code
1	Cash deposits aggregating to ten lakh rupees or more in a year in any savings account of a person maintained in a banking company to which the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), applies (including any bank or banking institution referred to in section 51 of that Act).	001
2	Payment made by any person against bills raised in respect of a credit card aggregating to two lakh rupees or more in a year.	002
3	Receipt from any person of an amount of two lakh rupees or more for purchase of units of a Mutual Fund.	003
4	Receipt from any person of an amount of five lakh rupees or more for acquiring bonds or debentures issued by a company or institution.	004
5	Receipt from any person of an amount of one lakh rupees or more for acquiring shares issued by a company.	005
6	Purchase by any person of immovable property valued at thirty lakh rupees or more.	006
7	Sale by any person of immovable property valued at thirty lakh rupees or more.	007
8	Receipt from any person of an amount of five lakh rupees or more in a year for investment in bonds issued by Reserve Bank of India.	008

[Notification No. 182/2005/F. No. 142/44/2003-TPL]

Note : The principal rules were published under notification NO. S.O. 969 dated the 26th March, 1962 which has been amended from time to time, and last such amendment was made vide notification S.O.No.932 (E) dated 01.7.2005.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has been decided to give retrospective effect to the proposed amendment i.e., from the first day of December, 2004, the date from which rule 114E and the Form 65 were published in the Official Gazette vide S.O. No. 1316(E). It is certified that this will not prejudicially affect the interest of any assessee.